Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript 21st December 2019 Shift 1 T1
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2019-12-21 14:00:53
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	2549891918
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2549892530
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2549892543
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 25498928749 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	2549891919
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	2549892531
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2549892544
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 25498928750 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

पूर्वी घाट के दूरदराज के गांवों में जनजातीय समुदायों के पास अब एक साधारण जल व्यवस्था के कारण चौबीसों घंटे पानी रहता है जिसके लिए बिजली की जरूरत नहीं होती है। गोंडीपाकालु आंध्र प्रदेश के पूर्वी घाट का एक सुदूर आदीवासी गांव है। इस दुर्गम और पर्वतीय इलाके की वनाजाक्षी और कई अन्य लडकियां पास की जलधाराओं से पानी लाने के लिए हर दिन पहाडियों की चढाई करने के लिए मजबूर थीं। ये रास्ते बारिश के दौरान बहुत फिसलन भरे हो जाया करते थे। लेकिन अब, नर्सीपटनम में स्थित विशाखा जिला नव निर्माण समिति की बुद्धिमानी के कारण इस क्षेत्र की विशेष भौगोलिक स्थिति का उपयोग जलापूर्ति की प्रणाली निर्माण करने में किया गया है और इसलिए अब ये लडकियां पुनः अपने विद्यालयों में पढाई के लिए जाती है। यह प्रणाली गुरूत्वाकर्षण के सरल सिद्धांत पर कार्य करती है। यहां, स्त्रोत से पानी को तीन चैम्बर वाले टैंक में भेजा जाता है, जहां रेत, बजरी और कंकड की परतों वाली निस्पंदन प्रणाली का उपयोग करके इसे फिल्टर किया जाता है। पाइपों का उपयोग करके इन टैकों से क्षेत्र के विभिन्न भागों में लगाए स्टैंडपोस्ट या नलों से पानी की आपूर्ति की जाती है। औसतन दस घरों के लिए एक स्टैंडपोस्ट होता है। ये पाइप स्त्रोत से स्टैंडपोस्ट तक दो से ढाई किलोमीटर तक की दूरी तक जाते है। चिंतपल्ली मंडल के एक गांव पाकाबू में, साठ घरों के लिए सात स्टैंडपोस्ट हैं। इसके अलावा, इनमें से प्रत्येक स्टैंडपोस्ट में अपवाह में जल को अवशोषित करने के लिए सोख्ता गड्ढों का उपयोग किया जाता है। यह जल आपूर्ति प्रणाली अद्वितीय है क्योंकि इसमें बिजली की आवश्यकता नहीं होती है। इस सरल प्रणाली ने सुदूर आदिवासी गांवों में चौबीसों घंटे पानी की आपूर्ति करने में मदद की है। इन क्षेत्रों में झरने पहाडियों के शीर्ष पर पाये जाते है। आमतौर पर, महिलाएं स्त्रोत बिंदु तक जाती थीं और पानी लाती थीं, वहां कपडे धोती थीं, स्नान करती थीं, जिससे स्त्रोत पर ही जल प्रदूषित हो जाया करता था। चूंकि ये झरने पहाडियों के शीर्ष पर स्थित है और समुदाय नीचे की और रहते है, इसलिए वीजेएनएनएस ने नीचे रहने वाले लोगों के लिए पानी लाने के लिए गुरूत्वाकर्षण की सरल अवधारणा का उपयोग करने का फैसला किया। वीजेएनएनएस ने तीन मंडलों – चिंतपल्ली, जीके वीधी और कोयरू में पचास जल प्रणालियों का सफलतापूर्वक निर्माण किया है। इनमें से प्रत्येक इकाई का निर्माण श्रमदान और ग्राम निधि की गांधीवादी अवधारणाओं के अनुरूप किया गया था, जहां समुदाय के पुरूष और महिलाएं दोनों निर्माण और रखरखाव में सक्रिय रूप से शामिल हैं। केवल कुशल राजमिस्त्री को ही मजदूरी का भुगतान किया जाता है। इन इकाईयों के रख–रखावे के लिए समुदाय के जल समितियों का गठन किया गया है। समिति के सदस्य वी. कोडम्मा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह समिति महीने में एक बार बैठक कर स्वच्छता और स्वास्थ्य कारिता प्रथाओं के साथ–साथ रखरखाव के मुद्दों के लिए हर महिने प्रति घर दस रूपए एकत्र करती है। समिति का स्थानीय डाकघर में बचत खाता है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes